इस सदन के चार लोग यह तय कर लेंगे कि हाउस को चलने नहीं देना है तो क्या हाउस नहीं चलेगा ? पिछले एक सप्ताह से हम लोग तैयारी कर रहे हैं कोई लेजिस्लेटिव बिजनैस आयेगा, उसके ऊपर हम अपनी बात कहेंगे । आज बर्कर्ज पार्टिसिपेशन इन मैनेजमेंट जैसा प्रमुख विषय का बिल है । . . . (व्यवधान) नेशनल कमीशन आन विमेन जैसा एक प्रमुख विधायी कार्य है । दो-दो मंत्रियों ने वक्तव्य देने हैं और उन पर स्पष्टीकरण भी आने हैं । मैं आपसे कहना चाहती हूं कि आप असहायता क्यों जताती हैं ? आप ख्वामख्वाह क्यों बहस करती हैं, आप कहती हैं । if they do not want to listen to me, how am I bothered? नहीं, आपको यह किताब तरह-तरह की शक्तियां प्रदान करती हैं इस सदन में व्यवस्था बनाये रखने के लिये ।

उपसभापति : आप बैठिये, मंत्री जी बोलिये । आप प्लीज, टेक युअर सीट । . . . (**व्यवधान**) मैंने आपकी बात सुन ली ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप उन शक्तियों का प्रयोग कीजिये और सदन की व्यवस्था को बनाये रखिये ।

उपसभापति : आप बैठिये ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : हम जैसे सदस्यों को निराशा हो रही है । महोदया, इस निराशा को मत बढ़ने दीजिये . . (**व्यवधान**) सदन को चलने दीजिये . . . (**व्यवधान**) . . ताकि जो प्रमुख विधायी कार्य है, संसद का, वह किया जा सके । प्रमुख विधायी कार्य के लिये आप केवल एक-एक घंटा रखती हैं, समय का अभाव बताते हुये और सारा विधान कार्य गौण हो जाता है और बेकार की चीजों पर घंटों-घंटों खर्च किये जाते हैं । . . . (**व्यवधान**) . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at thirty-one minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-two minutes past two of the clock,

[The Vice-Chairman (Prof. Chandresh P. Thakur) in the Chair]

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1990-91 (AUGUST, 1990)

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): Supplementary Demands for Grants,

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : केसरी जी का पहले है ।

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): A point of order, Sir. (*Interruptions*)

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : केसरी जी, एक मिनिट में खतम कर देता हूं । इतनी तो कृपा करें हम लोगों पर । हमारी डिमांड इतनी है बस ।

श्री सीताराम केसरी (बिहार) : ठीक है ।

PROF. MADHU DANDAVATE: Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 1990-91 (August, 1990).

Thank you, Kesriji.

ALLEGED INTERFERENCE WITH THE JUDICIAL PROCESS IN THE SYED MODI MURDER CASE —*Contd.*

SHRI DINESH GOSWAMI: Sir, I have to respond to two points made by. . .

श्री सीताराम केसरी : देखिये, चेयर की तरफ से यह कमिटमेंट हुआ था कि दीपेन घोष जी के बाद मुझे बोलने दिया जावेगा और उन्होंने मुझे बुलाया भी था, मगर इसी बीच में हंगामे में फिर हाउस एडजोर्न हो गया । इसलिये मेरा आपसे निवेदन है कि चेयर का जो